Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881; IMPACT FACTOR :7.816(2021); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
Peer Reviewed and Refereed Journal: VOLUME:10, ISSUE:5(1), May:2021
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in
Digital certificate of publication:http://ijmer.in/pdf/e-Certificate%20of%20Publication-IJMER.pdf
DOI:http://ijmer.in.doi./2021/10.05.155
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: 10th May- Publication Date:30th May 2021

# अंतर्जालीय शिक्षा व्यवस्था और नौकरी की सम्भावनाएँ-कोविड 19 के सन्दर्भ में

**Dr.B. Laxmi**
Assistant Professor of Hindi
S.G.A.G.D. College
Yellamanchili, Visakhapatnam

सकारात्मक सोच व्यक्ति को विकास के मार्ग में ले जाता है। आज अंतर्जाल पूरी दुनिया को अपनी मुट्ठी में ले रखा है ।शिक्षा के क्षेत्र में इ-लर्निंग एक धूम है। जिसमें अपनी रुचि के हिसाब से अपने कौशल का विकास करना छात्र के लिए संभव है ।कोरोना महामारी के फलस्वरूप शिक्षा व्यवस्था और शैक्षणिक संस्थाएँ दिग्भ्रमित हुई ।शिक्षा व्यवस्था के अधिगम के लिए शैक्षणिक अंतर्जालीय व्यवस्था को पूर्ण रूप से अपनाया गया ।कोरोना महामारी के उपरान्त मानवीय जीवन शैली में बदलाव आया ।व्यक्ति अपने परम्परागत सामाजिक जीवन व्यवस्था से, अंतर्जालीय जीवन व्यवस्था की ओर अधिक उन्मुख हुआ। सभी संस्थाएँ अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन के नए तरीके अपनाने लगे, छात्रों को दृस्टि में रखते हुए और उनमें उत्सुकता को कायम रखने के लिए, अनेक अंतर्जालीय व्यवस्था का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी विकास हुआ।

वेब तकनीक के आधार पर चलने वाली शिक्षा प्रणाली आवश्यकतानुसार सुविधा प्रस्तुत करती है, जिससे छात्र अपनी क्षमता और गति के अनुसार प्रगति कर सकते है । जीवन के विकास के लिए आज के कोरोना दौर में यह व्यवस्था अति आवश्यक है और प्रभावी भी है । शिक्षा, परिचर्चा, संगोष्ठी, डिजिटल अध्ययन, मूल्यांकन सभी अंतर्जालीय शिक्षण व्यवस्था में पूर्ण रूप से जुड़ने लगे है।

व्यक्ति में छिपी प्रतिभा का अनुमान कोई नहीं लगा सकता ।व्यक्ति संदेहों से भरा पुलिंदा है । उन संदेहों को दूर करने के लिए सीधे गूगल, यूट्यूब जैसे अंतर्जालीय व्यवस्था की ओर उन्मुख होता है। अपनी प्रतिभा के अनुरूप ऑनलाइन में जरुरी विषयों का ज्ञान हासिल करता है। इस तरह इ-लर्निंग छात्रों के लिए वरदान हैं ।छात्र के पास कौशल, ज्ञान और जिज्ञासा हो तो आगे बढ़ने का सबसे सरल, सफल और सस्ता तरीका इ-लर्निंग है । अंतर्जालीय प्रशिक्षण में लाखों मुफ्त के पाठ्यक्रम है जो कई प्रमाणिकता के साथ आते है। वे कॅरियर की उन्नति के लिए अपनी सम्भावनाओ को बढ़ाने की दिशा में काम कर सकते है। यह ज्ञान का व्यापक और विस्तृत क्षेत्र है ।सरकारी एवं अन्य एजेंसियों द्वारा आयोजित अलग-अलग सर्वेक्षणों से यह अनुमान लगाया जाता है की अंतर्जालिय शिक्षा अनेक प्रकार की नौकरियों के लिए अच्छा बाजार है ।

मानव विकास संसाधन मंत्रालय द्वारा शिक्षा को प्रभावित करने हेतु अनेक कार्यक्रम संचालित कर रहे है ।आज स्वयंप्रभा में 32 चैनल है जिसमे विद्वानों के व्याख्यान प्रस्तुत किये जाते है और इस पोर्टल का २ मिलियन से ज्यादा लोग उपयोग करते है। राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय पाठ्यक्रमों के ई-कंटेंट्स उपलब्ध कराता है । “ई-पीजी पाठशाला” में स्नातकोत्तर के छात्रों के इ- पुस्तके है, जिसमे 700 पाठ्यक्रमों की परिचर्चा सम्बन्धी ई- कंटेन्ट्स उपलब्ध है ।CEC - UGC , यूट्यूब चैनल पाठ्यक्रम आधारित असीमित व्याख्यान प्रस्तुत करते है। यह 87 स्नातक विषयों का ई- कंटेन्ट्स उपलब्ध कराता है। 17 मई 2020 को डिजिटल लर्निंग व्यवस्था को और

बढ़ावा देने के लिए "आत्मनिर्भर भारत" अभियान के अंतर्गत पी.एम्-ई-विद्या कार्यक्रम का प्रारम्भ हुआ जिसके आधार पर छात्र अपने कौशल के विकास हेतु अतिरिक्त समय का भरपूर सदुपयोग कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम डिजाइन में कौशल का विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण और इंडस्ट्री इंटरफेस के साथ एकीकृत किया जा रहा है । व्हाट्सप्प , ज़ूम, मीट, स्काइप, वेबेक्स आदि द्वारा गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा दी जा रही है । सीखने की कोई उम्र नहीं होती, कोई नियत्रण नहीं होता, ई- लर्निंग अत्यंत विशाल क्षेत्र है । आज का अंतर्जालीय शिक्षा छात्रों के भविष्य को संजोने का उत्तम साधन है।

छात्रों के कौशल को विकसित करने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम एक केंद्र है । शिक्षक रूचि के अनुसार विस्तार पूर्वक कक्षाएँ बता सकते है जिसमें छात्र जब -तब अपडेट हो सकते है । यह नौकरी और पेशा के लिए अति आवश्यक है । कैरियर के विकास में महत्वपूर्ण स्त्रोत है अंतर्जालीय शिक्षा, जिसके द्वारा सुगमता से अपने संचार, पर्यवेक्षण, टीम निर्माण और संगठन कौशल को छात्र बेहतर पहलुओं में सक्षम कर पाएंगे, ज्यादातर उन्नत कंपनियां यही कराती है। कॉर्पोरेट सेक्टर की उन्नत सीढ़ी चढाने के लिए और पदोन्नति के लिए छात्रों में प्रबंधन कौशल का विकास होगा, जो की कॅरियर के विकास में महत्वपूर्ण है ।

अधिकाँश अंतर्जालीय संस्थान अपने पाठ्यक्रमों को समायोजित करने के लिए छात्रों को बहुत स्वतंत्रता देते है जो वे अपने वर्तमान कार्यक्रम के आधार पर लेते हैं। इस तरह अपने कार्य और चुने हुए पाठ्यक्रम के बीच समय के अनुसार तालिका होता है। शैक्षणिक और व्यावसायिक रूप से तैयारी करने के लक्ष्य के साथ राष्ट्रीय स्तर पर फैले छात्र की आवश्यकता के अनुसार लचीला कार्यक्रम जैसे न्याय ,शिक्षा ,व्यापार ,फैशन डिजाइनिंग आदि क्षेत्र में आज छात्र दूर-दराज से ही अपनी सुविधा के अनुसार नौकरी के सुअवसर प्राप्त कर रहे है। विशिष्ट एवं शिक्षण प्रशिक्षण हेतु कई प्रमाणकारी एवं पेशेवर कक्षाओं, कार्यशालाओं का ऑनलाइन द्वारा बढ़ावा मिल रहा है और वेबिनार के रूप में बढ़ावा मिल रहा है । समय की बचत अपनी सुविधा के हिसाब से घर परिवार के साथ रहकर अपने करियर के हिसाब से एवं समयानुसार किसी भी अंतर्जालीय कार्यक्रम में जुड़ सकते है।

कोरोना काल में नौकरी बढ़ने के सुअवसर है विदेशी निवेश की कंपनियां भारत में निवेश करने हेतु इच्छुक है स्किल रोबोटिक्स ,औटोमेशन और मशीन लर्निंग पर आधारित पाठ्यक्रमों की मांग है। आज स्वास्थ्य से सम्बंधित उद्योगों में प्रतिभा को प्रदर्शित करने के सुअवसर है। ई-वाणिज्य अर्थात ऑनलाइन खरीदारी सम्बन्धी व्यवस्था की मांग, फ्री लांस विकल्प अर्थात बड़े-बड़े कंपनियों से छोटे-छोटे परियोजनाओं को हासिल कर अपने निपुणता को प्रदर्शित किया जा सकता है। "मेड इन इंडिया मेक इन इंडिया " रफ़्तार पकड़ेंगे तकनीकी स्तर पर काफी जोर रहेगा । कृषि तकनीक की संभावनाओं पर जोर बढ़ रहा है। क्योंकि लोग आज प्रकृति और रोपण की और आकर्षित हो रहे है।

आज के वर्तमार दौर में कोरोना काल में जहां कई लोग बेरोजगार हुए वहीं रोजगार के अवसर हेतु सरकार एवं गैर सरकारी संस्थानों द्वारा नौकरी के कई अवसर या कहा जाये वेब पोर्टल का विकास हुआ है । इस कार्यक्रम को बढ़ावा भी मिल रहा है । कुछ डिग्री प्रोग्राम और करियर सम्बन्धी अंतर्जालीय साइट इस प्रकार है -

**“महाजाब पोर्टल”, “रोजगार बाजार” ,”प्रवासी रोजगार”** -यह पोर्टल सोनुसूद द्वारा बिहार में प्रारम्भ किया गया । कौशल के अनुसार नौकरी के सुअवसर दिए जा रहे है। **“रोजगार महास्वयं”** - यह महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रारम्भ किया गया वेब है जिसमे सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रों में नौकरी की संभावनाओं की जानकारी दी जाती है । इसी तरह राजस्थान सरकार द्वारा **"राज-कौशल योजना"** वेब पोर्टल है। 17 वर्षीय अक्षत मित्तल ने **"भारत श्रमिक"** का शुभारम्भ किया जिसमें निपुणता के हिसाब से रोजगार के अवसर दिए जाते है। एन आई टी के दो छात्र मिलकर राउरकिला से **"भारत वर्क्स"** प्रारम्भ किया इसमें अभीतक 18 कम्पनियाँ दर्ज है।इनके आलावा किलर लांच डॉट कॉम ,इनडीड। नोयुकारी डॉट कॉम ,मॉन्स्टर इंडिया जॉब पोर्टल है।

अंतर्जालीय शिक्षा द्वारा अपने जीवन में सफलता प्राप्त किये कुछ छात्रों के अनुभव इस प्रकार है -

भारतीय रेलवे प्रकोष्ट के **अनुराग** ने कोर्सेरा में PWC डाटा संचालित निर्णय लेने का कोर्स पूर्ण कर अपने कार्यचरण में लागू कर रहे है । वित्त मूल्याङ्कन के क्षेत्र में विशेष कौशल हासिल करने के लिए “इमारटिकस” अंतर्जालीय प्रशिक्षण कोर्स के पाठ्यक्रम सामग्री आकर्षक दिलचस्प होते है। प्रत्यक्ष प्रसारण और अनुभवी लोगो के कारण गहन अवधारणाओं को समझने में और संदेह दूर करने में आसानी होती है । इस प्रणाली द्वारा ज्ञान और कौशल के साथ नौकरी के बाजार में उभरते अवसर तक पहुंचने के लिए और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अच्छे अवसर प्राप्त होते है।

**शिवम् अरोरा** एलेनहॉउस बिज़नेस स्कूल का छात्र, अंतर्जालीय शिक्षा द्वारा (एडवांस बिज़नेस कम्युनिकेटिव स्किल डिजिटल मार्केटिंग) उन्नत व्यापार संचार कौशल विकास विपणन द्वारा अपने कौशल को और विकसितकर संदेहो को दूर कर अपना एक वर्चस्व हासिल किया है । फ्लाइंग नेनो डिग्री छात्र है। अंतर्जालीय शिक्षा में उड़ने वाली कारों और सेल्फ ड्राइविंग कार के विषय में सीख रहे है और अत्याधुनिक तकनीकों के प्रयोग की जानकारी ऑनलाइन द्वारा समयानुसार घर बैठे हासिल करते है। खुद को प्रशिक्षित करना कॅरियर बनाने के लिए सर्वोत्तम प्लेटफॉर्म में विभिन्न संस्थानों के पाठ्यक्रमों में, सामाग्री विस्तृत है। व्यक्तित्व के विकास और नियोक्ताओं से बातचीत का अवसर भी मिलता है।

**शुभम डी** -सॉफ्टवेयर एनालिस्ट कोर्सेरा से शिक्षण प्राप्त कर, कंटेंट डवलपर के रूप में नौकरी कर रहे है। मुंबई में सॉफ्टवेयर विश्लेषण के रूप में, सामाग्री विस्तारण के रूप में इंटर्नशिप वेब विकास ,के सिद्धांत पर अपनी पाठ्यक्रम परियोजनाओं को विस्तृत कर रहे है।

ऑनलाइन शिक्षा छात्रों के कौशल को उभार रही है। इत्छाशक्ति, ज्ञान, श्रम और लगन मनुष्य को विकास के मार्ग में ले जाता है । जिस तरह नदी के मार्ग में कोई बड़ा पत्थर या कोई विघ्न आ जाये तो नदी अपना नया मार्ग चुन लेती है और निरंतर प्रवाहित होती रहती है उसी तरह व्यक्ति के जीवन में कोई भी समस्याएँ आये नए रास्ते अपने आप खुल जाते है। उसी तरह परिस्थितियां कैसी भी हो चाहे कोविद -19 ही क्यों ना हो नौकरी के अवसर भी बढ़ते जा रहे है।

Filename: 35
Directory: C:\Users\DELL\Documents
Template: C:\Users\DELL\AppData\Roaming\Microsoft\Templates\Normal.dotm
Title:
Subject:
Author: Windows User
Keywords:
Comments:
Creation Date: 5/15/2021 12:19:00 PM
Change Number: 6
Last Saved On: 6/2/2021 4:01:00 PM
Last Saved By: Murali Korada
Total Editing Time: 13 Minutes
Last Printed On: 6/3/2021 10:57:00 AM
As of Last Complete Printing
Number of Pages: 3
Number of Words: 14 (approx.)
Number of Characters: 83 (approx.)